ICAR-NRC इक्विन को वैश्विक मान्यता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत **पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) ने** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र**, हिसार (ICAR-NRC इक्विन) को इक्विन परिप्लास्मोसिस के लिये** विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में नामित करने की सुविधा प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

- **इक्विन परिप्लास्मोसिस:**
  - इक्विन परिप्लास्मोसिस, **जो टिक-जनित** (टिक के काटने से फैलने वाले रोग) प्रोटोज़ोआ परजीवी ***????????? ??????? ?? ?????????? ??????* के कारण होता है, घोड़ों, गधों, खच्चरों और ज़ेबरा को** प्रभावित करता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।
  - भारत में इस रोग की सीरोप्रिवलेंस 15-25% है तथा **उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में यह 40% तक है,** जिससे स्वास्थ्य पर प्रभाव, उत्पादकता में गिरावट और व्यापार प्रतिबंधों के कारण आर्थिक क्षति होती है।
  - NRC इक्विन ने इक्विन परिप्लास्मोसिस के लिये उन्नत नैदानिक उपकरण विकसित किये हैं, जिनमें **एलिसा, अप्रत्यक्ष फ्लोरोसेंट एंटीबॉडी टेस्ट, प्रतिस्पर्द्धी एलिसा (ELISA), रक्त स्मीयर परीक्षा, MASP इन-विट्रो कल्चर सिस्टम और एंटीजन का पता लगाने के लिये PCR शामिल हैं।**
- **भारत में घोड़ों की जनसंख्या:**
  - **20वीं** पशुधन जनगणना के अनुसार, भारत में लगभग **0.55 मिलियन अश्व (घोड़े, टट्टू, गधे, खच्चर)** हैं जो आजीविका और विभिन्न उद्योगों में योगदान देते हैं।
    - इनमें से 0.34 मिलियन घोड़े और टट्टू, 0.12 मिलियन गधे और 0.08 मिलियन खच्चर हैं, जिनकी **अधिकांश संख्या उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और हरियाणा में है।**
- **WOAH संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में NRC इक्विन की भूमिका:**
  - WOAH संदर्भ प्रयोगशाला के रूप में, NRC इक्विन **वैश्विक स्तर पर सहयोग करेगा, नैदानिक सेवाएँ प्रदान करेगा, तकनीकी विशेषज्ञता साझा करेगा और इक्विन परिप्लास्मोसिस पर अनुसंधान को आगे बढ़ाएगा।**
  - NRC इक्विन अब **WOAH का दर्जा प्राप्त करने वाली चौथी भारतीय प्रयोगशाला है,** जो एवियन इन्फ्लूएंज़ा, रेबीज़**, PPR और** लेप्टोस्पायरोसिस के लिये मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में शामिल हो गई है।
- **औपचारिक घोषणा:**
  - ICAR-NRC इक्विन का आधिकारिक पदनाम मई 2025 में **92वें WOAH महाधिवेशन** और **विश्व प्रतिनिधि सभा (World Assembly of Delegates) में घोषित किया जाएगा।**
  - यह पदनाम **भारत की नैदानिक क्षमताओं और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को सुदृढ़ करता है** तथा पशु स्वास्थ्य, विशेषकर अश्व रोगों के क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति को बढ़ाता है।

विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH)

- OIE के रूप में स्थापित, WOAH एक **मानक-निर्धारक निकाय है जिसे स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों पर समझौते के तहत मान्यता प्राप्त है।**
- यह वैश्विक पशु स्वास्थ्य में सुधार के लिये कार्य करता है और इसका **मुख्यालय पेरिस, फ्राँस** में है।
- WOAH के 183 सदस्य देश थे, जिनमें भारत भी शामिल था।
- यह देशों को रोग के प्रवेश को रोकने में सहायता करने के लिये **स्थलीय पशु स्वास्थ्य संहिता (Terrestrial Animal Health Code)** जैसे दिशा-निर्देश बनाता है ।
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) WOAH मानकों को अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता दिशा-निर्देश के रूप में स्वीकार करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-recognition-for-icar-nrc-equine